भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

<u>में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए हिरासर (राजकोट) में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा सौराष्ट्र क्षेत्र</u>

नई दिल्ली, 10 जून 2022 : चौथी की बढ़ती आबादी को पूरा करने के लिए गुजरात राज्य का सबसे बड़ा शहर और इस क्षेत्र में हवाई यातायात का बढ़ता प्रवाह, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने गुजरात में न्यू ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे, राजकोट के निर्माण का काम शुरू किया है। रुपये की परियोजना लागत के साथ। 1405 करोड़ रुपये, नए हवाई अड्डे की कल्पना राज्य से विदेश यात्रा करने वाले लोगों के लिए एक परिवहन केंद्र के रूप में की गई है।

2534 एकड़ में फैले, यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं और सुविधाओं के साथ काउंटरों की बढ़ी हुई संख्या और अन्य आवश्यक सुविधाओं के साथ एक नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे की योजना बनाई गई है। नए हवाई अड्डे का स्थान राजकोट शहर से लगभग 30 किलोमीटर और राजकोट-अहमदाबाद राजमार्ग पर है। बेसमेंट को छोड़कर कुल 23,000 वर्गमीटर के निर्मित क्षेत्र के साथ, इस नए हवाई अड्डे का टर्मिनल भवन व्यस्त समय के दौरान 1800 यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा।

टर्मिनल अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं, चार यात्री बोर्डिंग पुलों, तीन कन्वेयर बेल्ट और 20 चेक-इन काउंटरों के साथ-साथ आधुनिक अग्निशमन और फायर अलार्म सिस्टम से लैस होगा। एयरपोर्ट के सिटी साइड एरिया को लैंडस्केपिंग के साथ कार, टैक्सी और बसों के लिए पर्याप्त पार्किंग की सुविधा के लिए भी विकसित किया जाएगा। एबी-321 प्रकार के विमानों की सेवा के लिए रनवे की लंबाई 3040 मीटर की योजना बनाई गई है जो एक बार में 14 विमानों को पार्क करने में सक्षम होगी।

टर्मिनल अग्रभाग डिजाइन राजकोट के मौजूदा महलों जैसे रंजीत विलास पैलेस से प्रभावित है, जो पारंपरिक तत्वों को एक समकालीन रूप में एकीकृत करता है। भवन के अंदर गर्मी के लाभ को कम करने के लिए महलों के पारंपरिक जलियों की एक बाहरी त्वचा प्रदान की जाती है। टर्मिनल अपने गतिशील बाहरी अग्रभाग और शानदार आंतरिक सज्जा के माध्यम से डांडिया नृत्य सहित विभिन्न कलाकृतियों को प्रदर्शित करेगा। राजकोट अपने 'गोल्डन ज्वैलरी और फिलाग्री वर्क' के लिए प्रसिद्ध है और इसने सिटी साइड कर्ब के ड्रॉप-ऑफ क्षेत्र में बाहरी पैनल के काम को प्रेरित किया है ।

82% से अधिक मिट्टी का काम और 80% रनवे और अन्य फुटपाथ का काम पूरा हो चुका है। नए टर्मिनल भवन और एटीसी टावर का काम भी प्रगति पर है। हवाई अड्डे को चालू करने के लिए, प्रति घंटे 300 यात्रियों को संभालने में सक्षम 60m x 60m आकार का एक अंतरिम टर्मिनल भवन भी प्रगति पर है। कुल परियोजना की वर्तमान प्रगति 45% है। उम्मीद है कि मार्च 2023 तक नया हवाई अड्डा संचालन के लिए तैयार हो जाएगा।

राजकोट अपने लघु और भारी उद्योगों के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था में प्रभावी रूप से योगदान दे रहा है। शहर वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसके तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हवाई संपर्क से औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा, नया हवाई अड्डा बहुत सारे व्यावसायिक विकास के साथ आएगा। इससे ट्रैवल-लॉजिस्टिक्स, होटल इंडस्ट्री, रेस्टोरेंट, वेयरहाउस-कार्गो हैंडलिंग और क्लियरिंग बिजनेस आदि को बढ़ावा मिलेगा।

पीएम गति शक्ति की समावेशी मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी की भावना में, हीरासर हवाई अड्डे तक राष्ट्रीय राजमार्ग NH-27 से पहुँचा जाता है। हवाई अड्डे तक निर्बाध पहुंच के लिए राजमार्ग पर तिपतिया घास फ्लाईओवर की योजना बनाई गई है।

राजकोट-अहमदाबाद राजमार्ग पर स्थित होने के कारण, इस हवाई अड्डे का उद्देश्य क्षेत्र के कई उद्योगों के लिए रसद से संबंधित समय और लागत को कम करना होगा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मोरबी का सिरेमिक उद्योग और जामनगर के अन्य उद्योग भी हवाई संपर्क के लिए राजकोट पर निर्भर हैं।

राजकोट के प्राचीन शहर के आधुनिकीकरण और सौंदर्यीकरण की योजनाएं पहले से ही मौजूद हैं और ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के निर्माण सहित ऐसी सभी बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं से देश में आर्थिक संपत्ति जोड़ने वाले स्थानीय व्यापारिक घरानों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

कॉर्पोरेट संचार निदेशालय, एएआई द्वारा जारी किया गया
विवरण के लिए कृपया
संपर्क: जीएम (सीसी)
011-24622787
प्रेस विज्ञप्ति संख्या 12/2022-23

पूर्ण रनवे

एटीसी टॉवर सह तकनीकी ब्लॉक प्रगति पर है

ई एंड एम कार्यशाला भवन प्रगति पर

एजीएल सबस्टेशन का निर्माण कार्य प्रगति पर

रनवे के नीचे बॉक्स पुलिया प्रगति पर है

रनवे के नीचे बॉक्स पुलिया प्रगति पर है

परिप्रेक्ष्य एयरसाइड व्यू

परिप्रेक्ष्य टर्मिनल भवन